

Topic - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का क्षेत्र

Lecture - 2

गैर-राजकीय व्यक्तियों जैसे बहुराष्ट्रीय निगमों का अध्ययन :- वर्तमान में राज्यों के साथ-साथ अनेक गैर-राष्ट्रीय तथा बहु-राष्ट्रीय संगठन तथा आई.सकोरी संगठन, मा. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे - द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद साम्यवादी गुट, पूँजीवादी गुट, एन.ए. समाज नीची दुनिया, अरब समुदाय, जी-7, जी-15 आदि।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के नियंत्रणों का अध्ययन - राष्ट्रों के आपसी व्यवहार को नियंत्रित और निर्देशित करने के लिए कुछ अवधारणाओं का प्रचलन रहा है। जैसे - शक्ति - संतुलन की अवधारणा, क्षेत्रीयता, निःशक्तिता तथा राष्ट्र-निम्नत्व, सामूहिक सुरक्षा, विश्व जनमत, कूटनीति इत्यादि।

अन्तर्राष्ट्रीय कानून का अध्ययन - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय कानून का भी अध्ययन किया जाता है। यह एक तथ्य है कि राष्ट्रों की यह प्रकृति है कि वे उन अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करते हैं जिनसे उनके हितों की रक्षा होती है। अन्तर्राष्ट्रीय कानून राष्ट्रों के व्यवहार को मर्यादित करना है और विश्व व्यवस्था बनाये रखने में सहायता की भूमिका निभा रहा है।

युद्ध एवं शांति की गतिविधियों का अध्ययन -
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का सर्वोच्च अन्तर्राष्ट्रीय
युद्ध और शांति से जुड़ा हुआ है। विभिन्न
राष्ट्रों में कभी-कभी युद्ध हो जाते हैं जिनमें
जन, धन की अपार हानि होती है। इनके
रोकने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों की
आवश्यकता होती है। इनका अध्ययन भी
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में आवश्यक है।

राष्ट्रीय राजनीति का अध्ययन - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
का इद्देश्य विभिन्न देशों की नीतियों का
प्रयोग जानना है किन्तु इन विदेशी नीतियों
का सार समझने के लिए राष्ट्रीय राजनीतियों
के विभिन्न पक्षों का ज्ञान आवश्यक है। राजनीतिज्ञ
दूसरे देशों के कार्यों तथा नीतियों पर
दृष्टि रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की
रक्षा के लिए अपने देश की नीति निर्धारित
करते हैं।

अणुशक्ति का अध्ययन - अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
में आज के युग की सबसे बड़ी विशेषता
अणुशक्ति और उसके विकास की प्रभावी
ध्वितियों से निपटने की बात अल्पमत महत्व-
पूर्ण होती जा रही है। अणुशक्ति ने मानव
प्रगति की जो सम्भावनाएँ प्रस्तुत की हैं वे
पहले कभी नहीं थीं। परन्तु देवने की बात
यह है कि उसने सारे ससाट को विनाश
के ऊगार पर लाकर छोड़ दिया है।
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में निरन्तर इस बात का
अध्ययन हो रहा है कि ऐसी दशा में

विश्व की किस प्रकार सुरक्षा केवच पहनाया जाये।

राजनीतिक विचारधारों — गत वर्षों में राजनीतिक विचारधारों ने अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहण किया है।

राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का अध्ययन — आधुनिक युग में विभिन्न राज्यों के पारस्परिक व्यवहार के मध्य जिन शक्तिशाली प्रणतियों का उदय हुआ है, उनमें राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद प्रमुख हैं। इसीलिए इनका अध्ययन अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अन्तर्गत किया जाना है।

Khushbu kumari
12th Aug 2020